वार्तालाप नं.466, लखनऊ, यूपी, दिनांक 17.12.07
Disc.CD No.466, dated 17.12.07 at Lucknow (Uttar Pradesh)

समयः 02.57-05. 24
जिज्ञासुः बाबा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊँचा रहे हमारा। किस आधार पर इसका गायन किया गया है?
Time: 02.57-05.24
Student: Baba, '*vijayi vishwa tiranga pyara, jhanda ooncha rahe hamara*' (let our beloved tricolour gain victory over the world; may this flag be held high). On what basis has it been praised?

बाबा: अरे, कपड़े का झंडा विश्व विजय करता है या शरीर रूपी वस्त्र हैं कोई जो विश्व विजय करके दिखलावे? कोई शरीर रूपी वस्त्र हैं जिन्होंने सारे विश्व के ऊपर विजय प्राप्त की। हिट्लर, नेपॉलियन, मुसोलिनी ने नहीं की। बड़े-2 महात्वाकांशी हुए, वो नहीं कर सके। लेकिन ये भारत के तीन शरीर रूपी वस्त्र हैं जो आपस में मिलकरके जब एक हो जाते हैं तो सारे विश्व के ऊपर विजय प्राप्त कर लेते हैं। ब्रहमा, विष्णु और शंकर। इसलिए हमारा झंडा है त्रिमूर्ति शिव का। एक मूर्ति का नहीं, त्रिमूर्ति शिव। तीन मूर्तियाँ चाहिए और शरीर छोड़ने वाली और सूक्ष्मवतनवासी नहीं या निराकार नहीं कि 32 किरणें दिखा दो और 32 गुण दिखाय दिये जाए। गुण साकार के होते हैं या निराकार के होते हैं? (सभी: साकार के।) निराकार को तो कहा ही जाता है निर्गुण। तो त्रिमूर्ति शिव का हमारा झंडा है यादगार। वो कपड़े के झंडे तो चाहे जितने कोई लगा दे अपने-2 मकान के ऊपर। लेकिन झंडा ऊँचा वास्तव में किसका करना है? इन तीन चैतन्य मूर्तियों का झंडा ऊँचा करना है, इनका नाम बाला करना है संसार में, जो सारे विश्व के ऊपर विजय प्राप्त करने के निमित्त बनती है और बनाती है।
Baba: *Arey*, does a cloth flag gain victory over the world or are there some cloths like bodies, who gain victory over the world? There are some cloth like bodies, who gained victory over the entire world. Hitler, Napoleon, Mussolini did not [conquer the world]. There were great ambitious people, they could not [conquer the world]. But these are three cloths like bodies of India, when they unite; they gain victory over the entire world. [They are] Brahma, Vishnu and Shankar. This is why our flag is of *Trimurty* Shiv. Not of one *murty* (personality), but *Trimurty* Shiv. Three personalities are required and they should not be the ones who leave the body or are subtle world dwellers or are incorporeal, around which you show 32 rays corresponding to 32 virtues. Does a corporeal person have virtues or does an incorporeal one have virtues? (Everyone said – the corporeal one). The incorporeal one is anyhow called *nirgun* (unqualified one who does not have either virtues or vices). So, our flag of *Trimurty* Shiv is a memorial. Someone may display any number of those cloth flags over their house, but whose flag should be hoisted high in reality? The flag of these three living personalities should be hoisted high, they should be made famous in the world, the ones who become instruments in gaining victory over the entire world and in enabling others [to gain victory].

<u>समयः 06.06-07.45</u>

जिज्ञासुः बाबा, अभी बाबा ने कहा न शिव मन्दिरों में जाओ, लक्ष्मी-नारायण के मन्दिरों में जाओ और वहाँ जाकर सेवा करो। लेकिन साथ में ये भी कहा है कि ये ब्रह्मा का पार्ट है शूद्रों को बाह्मण, प्रजा क्वॉलिटी निकालना तो क्या ये जो पार्ट है, हम लोग एडवांस पार्टी वाले शिव मन्दिरों, लक्ष्मी- नारायण मन्दिरों में जाके सेवा कर सकते हैं?

बाबा: कौनसे मन्दिरों में जाके?

जिज्ञासु: शिव मन्दिर और लक्ष्मी-नारायण का मन्दिर कहा ना?

बाबा: हद के, बेहद के?

जिज्ञासु: बेहद के मन्दिर, तो क्या सेंटर्स हुए ब्रह्माकुमारीज के।

Time: 06.06-07.45

Student: Baba, just now Baba said, go to the temples of Shiv, temples of Lakshmi-Narayan and do service there. But at the same time it has also been said it is Brahma's part to transform *Shudras* to Brahmins, to bring up subject quality (*praja*) souls; so, can we, the ones in the Advance Party play this part, [can we] go and serve in the temples of Shiv, in the temples of Lakshmi-Narayan?

Baba: Which temples?

Student: It was said about the temples of Shiv and temples of Lakshmi-Narayan, wasn't it?

Baba: Are you talking [about the temples] in a limited sense or in an unlimited sense?

Student: Temples in an unlimited sense, so, is it about the centers of Brahmakumaris?

बाबा: ब्रह्माकुमारी सेंटर वो मन्दिर है? वहाँ लक्ष्मी-नारायण बैठे हैं कोई युगल? जहाँ भी कोई कुमार बैठा हुआ है कमरे में और ईश्वरीय ज्ञान में चल रहा है, एडवांस में चल रहा है वो किसका मन्दिर है? वो शिव का मन्दिर है। (जिज्ञासु: पांडव भवन हो गया...।) हाँ, पांडव भवन कहो, शिव मन्दिर कहो। वहाँ जाने आने वाले जो भी कुमार इकट्ठे होते हैं, जो भी भाई बहन इकट्ठे होते हैं उनको सुनायेंगे तो उनकी बुद्धि में बैठेगा और गीता पाठशालायें माना लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर।

जिज्ञासु: फिर वो घेराव के लिए बोला है अभी।

बाबा: घेराव डालो माना जितनी ज्यादा गीतापाठशालायें खोलेंगे, जितने ज्यादा मिनी मधुबन बनावेंगे, उतना घेराव पड़ता जावेगा, आवाज निकलेगी। फिर तुम्हारा पाला ऊँचा हो जावेगा।

जिज्ञासु: सेंटरों में डायरेक्ट तो नहीं जाना है ना?

बाबा: वो बड़े-2 शंकराचार्यों के मठ है या मन्दिर हैं? वो तो मठ बनाये हुए हैं। वो तुम्हारी बातें थोड़े ही सुनने देंगे।

Baba: Are those Brahmakumaris centers temples? Are there any Lakshmi-Narayan like couples sitting there? Wherever a *Kumar* (an unmarried male) is sitting in a room and is following the Godly knowledge, the advance [knowledge]; whose temple is it? That is a temple of Shiv. **Student**: It is a *Pandav Bhavan* (the place where only males stay)…..

Baba: Yes, call it a *Pandav Bhavan*, call it a temple of Shiv, all the *Kumars* who visit there , all the brothers and sisters who gather there; if you narrate to them, it will sit in their intellect and *Gitapathshalas* means temples of Lakshmi-Narayan.
Student: Then, it has been said about laying siege.
Baba: 'Lay siege' means that the more *Gitapathshalas* you open, the more *mini madhubans* you establish, the more siege will be laid, the voice will spread. Then your side of the balance will move higher.
Student: We should not go directly to the [BK] centers, should we?
Baba: Are there *math* (place of residence of disciples or devotees) or are they temples of great *Shankaracharyas*? They have made *math*. They will not allow others (their devotees and disciples) to listen to you.

समयः 07.53-08.16

जिज्ञासुः बाबा, ये ब्रह्माकुमारियाँ क्यों तांत्रिक, भूतों का आसरा लेकरके बाबा का सामना करती हैं?
बाबा: जिनको भगवान नहीं मिलेगा तो भूतों का ही आसरा लेगा या किसका लेगा? जिसको भगवान मिल जाये वो भूतों का आसरा क्यों लेगा?
Time: 07.53-08.16
Student: Baba, why do these Brahmakumaris take the support of *tantriks* (a person versed in tantric knowledge), ghosts to confront Shivbaba?
Baba: Will those who do not find God take the support of ghosts or of anyone else? Why will the one who has found God take the support of ghosts?

समयः 08.20-10.28

जिज्ञासुः बाबा, अभी देखने में ये आ रहा है कि बहुत महारथी आत्मायें होती हैं। जब वो भट्टी करने आती हैं तो बहुत उमंग उत्साह में होती हैं और यहाँ क्लास में भी आती हैं तब भी। लेकिन ऐसी कोई-कोई आत्मायें है तो वो लोग उस समय भट्ठी जब कर रहे है तो वो मिलने नहीं देती, भट्ठी करने नहीं देती, कोई-2 आत्मा। ऐसा भी कुछ पार्ट चल रहा है क्या अभी?
बाबा: जब 9 धर्मों के 9 ग्रुप हैं और 9 धर्मों की 9 प्रकर की जड़े हैं और उन जड़ों के 9 प्रकार के बीज हैं तो उनमें पहले बीज को बुद्धि में बैठेगा या जड़ों की बुद्धि में बैठेगा या पत्तों, टहनियों की बुद्धि में बैठेगा? पहले बीज को बुद्धि में बैठेगा और बीजों में भी अलग-2 9 प्रकार की कैटेगिरी के, 10 प्रकार की कैटेगिरी के हैं। तो जो जिस कैटेगिरी का है.... बीज तो छोटे होते हैं या बड़े होते हैं? बीज तो छोटे होते हैं और जड़ें? जड़ें तो बड़ी होती है। तो जो पावरफुल जड़ें होती हैं जब तक वो अपने स्वरूप को न पहचान लें और बाप को न पहचान लें तब तक वो आत्मायें अपने वर्ग वाली आत्माओं में प्रवेश करके उनको डिस्टर्ब करती रहेंगी।
Time: 08.20-10.28
Student: Baba, now it is being observed that there are many *maharathi* (great warrior) souls; when they come to undergo *bhatti* they have a lot of zeal and enthusiasm and they also come

to the class; but there are some such souls that when they go for *bhatti*, they do not allow them to meet [Baba], they do not allow them to go to *bhatti*. Is any such part going on now?
Baba: When there are 9 groups of 9 religions and when there are 9 kinds of roots of 9 religions, and there are 9 kinds of seeds of those roots, then will it first sit in the intellect of the seed or will it sit in the intellect of the roots or will it sit in the intellect of leaves, branches? First it will sit in the intellect of the seeds and even among the seeds there are different categories, 9 categories, 10 categories. So, whoever belongs to whichever category……. Are seeds small or big? The seeds are small and what about the roots? Roots are big. So, until the powerful roots (i.e. root souls) recognize their form and until they recognize the Father, those souls will continue to enter in the souls belonging to their category and disturb them.

जिज्ञासु: ये आधारमूर्त आत्मायें ही?
बाबा: हाँ जी। वो शरीर वहाँ छोड़ती जा रही हैं, सूक्ष्म शरीर धारण करती जा रही है। सूक्ष्म शरीर में ज्यादा पावर होती है या स्थूल शरीर में ज्यादा पावर होती है? सूक्ष्म शरीर में ज्यादा पावर होती है। बीज रूप आत्मायें उनके अपने साकार शरीर हैं तो उनको डिस्टर्ब करती रहेंगी तब तक।
जिज्ञासु: पुरुषार्थ करने में बाधा डालती हैं।
बाबा: पुरुषार्थ करने में बाधा भी डालती हैं।
Student: Will these root souls themselves [enter them]?
Baba: Yes. They are leaving their bodies there [in the basic knowledge]; they are assuming subtle bodies. Does a subtle body have more power or does a physical body have more power? A subtle body has more power. The seed-form souls have their own corporeal bodies; so, they (the subtle bodied souls) will keep disturbing them till then.
Student: They create obstacles in doing *purusharth* (special effort for the soul).
Baba: They also create obstacles in doing *purusharth.*

समयः 10.29-13.22

जिज्ञासुः बाबा, 33 करोड़ देवी देवताओं में 10 करोड़ देवी देवता बाप से प्राप्ति करते हैं बाकी जो 23 करोड़ है वो कैसे प्राप्ति करते हैं माना जैसे हद और बेहद में कैसे मतलब क्या है?
बाबा: 21 जन्मों की प्राप्ति कराने वाला बाप कौन है? शिव बाप। वो श्रेष्ठता की ही प्राप्ति कराता है। लेकिन एक बेहद का बाप ऐसा भी है जो स्वर्ग की दुनिया का भी मालिक है तो नर्क की दुनिया का भी मालिक है, वो कौन है? प्रजापिता, मनुष्य सृष्टि का बाप। जैसे और धर्मपितायें हैं अपनी-2 प्रजा के पिता है। ऐसे ये भी अपनी प्रजा का पिता हैं।
जिज्ञासु: तो इसको हम डायरेक्ट नहीं बोल सकते ?
बाबा: क्या?
जिज्ञासु: कि हम शिवबाबा से प्राप्ति कर रहे हैं?

Time: 10.29-13.22
Student: Baba, among 33 crore (330 million) deities, 10 crore (100 million) deities make attainments from the Father. How do the remaining 23 crore [deity souls] make attainments, i.e. how does it happen in a limited and an unlimited sense?
Baba: Which Father enables you to make attainments for 21 births? The Father Shiv. He enables you to make the attainment of righteousness only. But there is one such father in an unlimited sense too, who is the master of the world of heaven as well as the world of hell; who is he? Prajapita, the father of the human world. For example, the other religious fathers are the fathers of their subjects. Similarly, this one also is the father of subjects (*praja*).
Student: So, can't we call it direct [attainments]?
Baba: What?
Student: That we are making attainments from Shivbaba?

बाबा: शिव जिसका नाम है वो कल्याणकारी प्राप्ति ही कराता है या अकल्याणकारी 21 जन्मों के अलावा भी प्राप्ति कराने का निमित्त है? वो तो कल्याणकारी ही बनाता है। 21 जन्मों की प्राप्ति का शिव है निमित्त और बाकी वो जिसमें प्रवेश करता है वो तो सबका बाप है। असुरों का भी बाप है और देवताओं का भी बाप है। तो 63 जन्म जो राजाईयाँ स्थापन हुई हैं; हुई हैं या नहीं हुई हैं? या ईब्राहिम के आने से ही राजाई स्थापन हो जाती है? बुद्ध या क्राईस्ट के आने से ही राजाई स्थापन हो जाती है क्या? नहीं। उनमें शिफ्त ही नहीं है राजाई या राजधानी स्थापन करने की। इसलिए जो मनुष्य सृष्टि का पिता है वो ही सारी मनुष्य़ सृष्टि को, कोई धर्म की आत्मा हो उनका फाउंडेशन डालने के निमित्त बनती है।
जिज्ञासु: बाबा दोनों को खुश कर देते हैं मतलब। देवी देवताओं को भी खुश कर देते हैं , इधर असुरों को भी खुश कर देते हैं।
बाबा: क्या?
जिज्ञासु: दोनों को ही प्राप्ति कराते हैं।
बाबा: बताया ना। जो श्रेष्ठ देवतायें हैं वो तो सतयुग त्रेता में ही है लेकिन देवता धर्म को फॉलो करने वाली और जो आत्मायें है 23 करोड़, उनको प्राप्ति किससे होती है? प्रजापिता से।
Baba: The one whose name is Shiv, does He enable only beneficial attainments or is He instrumental in enabling harmful attainments during the births other than the 21 births too? He makes [the attainments] only benevolent. Shiv is instrumental for the attainments of 21 births and the one in whom He enters is everybody's father. He is the father of demons as well as deities. So, the kingships which were established in 63 births; have they been established or not? Or is the kingship established just by the arrival of Abraham? Is the kingship established just by the arrival of Buddha and Christ? No. They do not have the qualification at all to establish kingship or the capital. This is why, the father of the human world becomes instrumental in laying the foundation of the entire human world; be it the soul belonging to any religion.
Student: Baba, it means that he pleases both of them. He pleases the deities as well as the demons.
Baba: What?

Student: He enables both to make attainments.
Baba: It was said [just now], wasn't it? The righteous deities are only in the Golden Age and the Silver Age, but from who do the other 23 crore souls who follow the Deity religion make attainments? From Prajapita.

समयः 13.25-14.36

जिज्ञासुः बाबा, पुरुषार्थ अनुसार 21 जन्म मिलते हैं, जैसे पुरुषार्थ किया जाता हैं संगमयुग पर और फिर बताते है कि उसके आगे जो 63 जन्म भी उसी पुरुषार्थ अनुसार ही मिलते हैं क्या?

बाबा: 21 जन्म जो प्राप्ति होती है वो प्राप्ति करने के लिए जो हमने पुरुषार्थ किया है और पुरुषार्थ करने के लिए जो प्रैक्टिस की है वो प्रैक्टिस का माद्दा 63 जन्म में काम आता है। जिसने यहाँ 21 जन्मों की प्राप्ति के लिए तीव्र पुरुषार्थ किया है, तीव्र पुरुषार्थी के संस्कार जिसके अन्दर भर गये वो 63 जन्मों में भी कैसा पुरुषार्थ करेगा? तीव्र पुरुषार्थ ही करेगा। तप कर राज, राज कर नरका। फिर तप कर राज, राज कर नरका। एक ही जन्म में सिपाही से सम्राट बन सकता है, अगर तीव्र पुरुषार्थ करने के संस्कार यहाँ पैदा कर लिए तो। कहाँ? संगमयुग में।

Time: 13.25-14.36
Student: Baba, we receive 21 births as per our *purusharth*), according to the *purusharth* that we do in the Confluence Age and then as it is said, do we receive the next 63 births on the basis of the same *purusharth* ?
Baba: Whatever *purusharth* we have done to make attainments for 21 births and whatever practice we have done for doing that *purusharth*; that level of practice proves useful for us in the 63 births. The one who has made fast *purusharth* for the attainments of 21 births, the one who has recorded the *sanskars* of making fast purusharth here, what kind of *purusharth* will he do even in the 63 births? He will certainly do fast *purusharth*. *Tap kar raj, raj kar narka* (when we do *tapasya*, we become kings and kingship leads to hell). Then the cycle repeats again. If someone develops the *sanskars* of making fast *purusharth* here, he can change from a soldier to an emperor *(samrat)* in the same birth. Where? In the Confluence Age.

समयः 14.40-16.03

जिज्ञासुः बाबा, हरा रंग और नीला रंग विषैला बताया है, इसका मतलब समझाईये ना।

बाबा: इब्राहिम को झाड़ के चित्र में हरा झाबा पहने हुए दिखाया गया है। रामलीला दिखाते हैं या कृष्ण लीला दिखाते हैं तो असुरों की सेना को काला या नीला रंग पहनाते हैं। वैसे भी भांति-2 के सर्प होते हैं और उनका जो विष होता है वो भी इन्हीं रंगों का होता है। या हरा होता है, या नीला होता है, या काला होता है। तो इसलिए तीन रंग दिखाये जाते हैं। विषियस दुनिया कलियुग में भी यही रंग दिखाया जाता है। वैसे भी कहते हैं सावन में जो अन्धा हो जाता है आदमी उसको क्या दिखाई पड़ता है बाद में? चारों ओर हरा ही हरा दिखाई पड़ता है।

Time: 14.40-16.03
Student: Baba, green and blue colour is said to be poisonous; please explain its meaning, will you?
Baba: Abraham has been shown to be wearing a green dress in the picture of the *[Kalpa]* Tree. When *Ramleela* (enact of story of Ramayana) or Krishna *leela* (enact of story of acts of Krishna) is depicted, the army of demons is shown to be wearing black or blue [dress]. As such, there are different types of snakes and their poison is also of these colours. It is either green or blue or black. So, three colours are depicted. The same colour is depicted in the Iron Age vicious world too. Even otherwise, it is said, what does the one who becomes blind in spring see later on? He sees greenery everywhere.

समयः 16.06-17.08

जिज्ञासुः बाबा, मधुबन में एक महिला ने बाबा से मिलने के बाद उसने अपने कमरे में जाके आत्माहत्या कर ली थी। तो ऐसा क्यों उसने किया बाबा?

बाबा: बाबा से मिलने के बाद आत्महत्या....?

जिज्ञासु: मधुबन में गई और मिली, उसी टाईम सभी लोग बैठे थे क्लास में....

बाबा: कहाँ?

जिज्ञासु: मधुबन में, वहाँ माउंट आबू में। वो फिर अपने कमरे में गई, रस्सी बान्ध के और उसने आत्माहत्या कर लिया।

बाबा: तो क्या हुआ?

Time: 16.06-17.08
Student: Baba, after meeting [Brahma] Baba at *Madhuban* (Mt.Abu), a woman went to her room and committed suicide. So Baba, why did she do so?
Baba: Committed suicide after meeting Baba…?
Student: She went to *Madhuban*, met [Baba] and at that time everyone was sitting in the class…
Baba: Where?
Student: At *Madhuban*, at Mt. Abu. She then went to her room, tied herself with a rope [around the neck] and committed suicide [by hanging].
Baba: So what happened?

जिज्ञासु: नहीं कह रहे है, कैसे हुआ, भगवान के घर में ऐसा क्यों?

बाबा: अरे, भगवान, भगवान कोई सूक्ष्म शरीरधारी होता है क्या? भगवान औरतों में प्रवेश करता है क्या?

जिज्ञासु: बाबा हम तो सुबह-2 पुलिस देखे तो डर गये कि ऐसा क्यों हुआ।

बाबा: तुम तो बुद्धि में तो सोचो भगवान को कभी औरत के रूप में दिखाया है? (जिज्ञासु: नहीं।) फिर? भूत प्रेत होते हैं वो हत्या करते हैं, आपघात करते हैं, पापकर्म करते हैं तो उनको सूक्ष्म शरीर मिलता है, सूक्ष्म शरीर के बन्धन में बन्धना पड़ता है।

Student: No, I mean to say, how and why did this happen in God's home?
Baba: *Arey*, does God have a subtle body? Does God enter women?
Student: Baba, when we saw police early in the morning we were frightened [thinking] why did it happen?
Baba: Just think, has God ever been shown in the form of a female? (Student: No). Then? Ghosts and spirits murder, make accidents happen, commit sins; so they receive subtle bodies; they have to become bound in the bondage of subtle body.

समयः 22.15-23.00

जिज्ञासुः बाबा, जैसे क्रिश्च्यन धर्म का गुण बताया है ठंडा क्रोधी। अगर कोई आत्मा एडवांस में चलती है और उसके अन्दर ये लक्षण दिखाई देते हैं तो क्या वो क्रिश्च्यन धर्म की आत्मा है या कनवर्ट हुई आत्मा है?
बाबा: थोड़े समय के लिए वो लक्षण दिखाई देते हैं और ज्ञान और योग के फोर्स से फिर वो गायब हो जाते हैं तो कौनसे धर्म की हुई? (सभी: कनवर्ट हुई।) तो वो कनवर्ट हो गई ना?
जिज्ञासु: तो थोड़े समय के लिए कनवर्ट हुई होगी या ज्यादा समय के लिए?
बाबा: वो तो जितना लम्बे समय वो लक्षण दिखाई दे उतना लम्बे समय शूटिंग हो रही है। जब वो लक्षण गायब हो जाये तो खत्म।
Time: 22.15-23.00
Student: Baba, for example, the specialty of Christian religion is said to be cold anger. If a soul is following advance [knowledge] and if these features are observed in him , is it a soul belonging to Christianity or is it a converted soul?
Baba: Those features are seen for some time and then they vanish due to the force of knowledge and *yog*; so, it belongs to which religion? (Everyone: It converted). So, it converted, didn't it?
Student: So, would it have converted for some time or for more time?
Baba: The longer those features are observed, the longer that shooting continues. When that feature vanishes, then it ends.

समयः 23.01-24.15

जिज्ञासुः बाबा, जैसे मान लो कोई श्रीमत के बरखिलाफ बात है, उसके विपरीत है लेकिन हम श्रीमत मान कर उसको चलते हैं तो क्या वो भक्तिमार्ग की शूटिंग है?
बाबा: श्रीमत के ऊपर चलने वाले को भक्तिमार्ग कहा जाता है?
जिज्ञासु: जैसे कोई एडवांस में चल रहा है लेकिन वो भक्तिमार्ग की बात कर रहा है, हम उसको मान लें तो वो भक्ति माना जायेगा या....
बाबा: हम भक्तिमार्ग की बात को क्यों स्वीकार करें जबकि भक्तिमार्ग को मुर्दाबाद करना है?
जिज्ञासु: .....कुछ नहीं बोलना है?
बाबा: कुछ नहीं बोलें माना एक कान से सुना दूसरे कान से निकाल दिया। हम नहीं ध्यान देते, याद भी नहीं करते उसने क्या कहा, जानते हैं फालतू बक-2 कर रहा है। तो भक्तिमार्ग

की हम क्यों शूटिंग कर रहे हैं? साक्षी हो करके उसकी बात सुन ली, जानते हैं अन्दर से - ये भक्तिमार्ग मुर्दाबाद होने वाला है। अगर नहीं अन्दर समा सकते हैं, बार-2 याद आती है तो बाप को बता दो।

Time: 23.01-24.15

Student: Baba, suppose there is something against *Shrimat* but we consider it to be *Shrimat* and follow it, then is it performing shooting of *bhaktimarg* (the path of devotion)?

Baba: Is following *Shrimat* called the path of *bhakti*?

Student: Suppose someone is following the advance [knowledge] but he is talking about the path of *bhakti*, and if we accept it, will it be considered path of *bhakti* or…..

Baba: Why should we accept the topics of *bhaktimarg* when *bhaktimarg* is to be condemned?

Student:……..should we not say anything?

Baba: 'We should not say anything' means 'we listened through one ear and removed it through the other'. We do not pay attention; we do not even remember what he said ; we know that he is speaking wasteful things . So, how will we be performing the shooting of the path of *bhakti*? We heard his words being (in the stage of) a witness; we know from within that this *bhaktimarg* is going to be condemned. If you cannot assimilate within yourself if it comes to your mind again and again, tell it to the Father.

समयः 24.18-25.39

जिज्ञासुः बाबा, एक पत्नी चलती हो ज्ञान में और पति चलता हो भक्ति में, तो दोनों में खट-पट होती है तो क्या किया जाये?

बाबा: हिसाब-किताब पूरे किये जायें। 63 जन्म में उसने अच्छा काम किया होगा, उस आत्मा ने और हमने विघ्न डाला होगा तो वो हिसाब-किताब पूरा नहीं होगा? हम तो फायदे में ही हैं। वहाँ हमने बुरा काम किया भक्तिमार्ग में। उसने हमको रोका। है ना? तो हमने बुरा काम किया उस समय, हमारा एक गुना पाप चढ़ा। चढ़ा कि नहीं? और अब हम है यहाँ संगमयुग में। अगर वो हमारा ऑपोजिशन करता है और हम भी उसका ऑपोजिशन करें तो 100 गुना हमारा चढ़ जायेगा। इसलिए बड़े प्यार से हिसाब-किताब पूरा करते रहे। अरे, हम तो हल्के हो रहे हैं।

जिज्ञासु: बाबा, उसका 1 गुना रहेगा, ज्ञानी का 100 गुना हो जायेगा?

बाबा: ज्ञान में चल रहा है, कह रहा है हमको भगवान मिला है तो जानकार है ना।

Time: 24.18-25.39

Student: Baba, if the wife is following the path of knowledge and if the husband is following the path of *bhakti*, and if both of them clash, what should be done?

Baba: The *karmic* accounts should be settled. That soul (i.e. husband) must have performed noble actions in 63 births and we (i.e. wife) would have created obstacles [for him], will that account not be settled? We are anyhow in profit. We performed bad deeds there, in the path of *bhakti* and he stopped us [from doing it], did he not? So, we performed bad deed at that time, we accumulated one time sins. Did we or did we not? But now we are in the Confluence Age. If he opposes us, and if we too oppose him, then we will accumulate 100 times sins.

This is why we should continue to clear our *karmic* accounts lovingly. *Arey*, we are becoming light.
Student: Baba, will it (accumulation of sins) be one time for him (the one who is not in knowledge), will it become 100 times for the knowledgeable person.
Baba: If he is following the path of knowledge and if he is saying: we have found God, then he knows, doesn't he?

समयः 25.40-26.10

जिज्ञासुः बाबा, कोई बार-2 परेशान कर रहा है तो क्या करें?
बाबा: परेशान वो होता है जो आत्मिक स्थिति की शान में नहीं रहता। जो सदैव आत्मिक स्थिति की शान में रहने वाला है उसको कोई परेशान नहीं कर सकता। देहभान में रहने वाले को परेशानी होती है।
Time: 25.40-26.10
Student: Baba, what should we do if someone troubles us again and again?
Baba: The one who does not remain in the (*shaan*) state of soul consciousness becomes troubled (*pareshan*). The one who always remains in the state of soul consciousness cannot be troubled by anyone. The one who remains in body consciousness feels troubled.

समयः 29.17-31.40

जिज्ञासुः बाबा, बाबा ने बताया हैं कि एक दो महीना पर भी कोई बच्चा लेटर नहीं लिखता है तो समझो मर गया। अगर वो बच्चा डेली मुरली क्लास करता है, महीना में रोज के संगठन में जाता है उसके लिए भी लागू होता है या संगठन में न जाए, क्लास न करे, उसके लिए ही?
बाबा: मुरली पढ़ता है, वो तो घर में बैठ करके पढ़ता है लेकिन बाप साकार में हैं या आकारी और निराकारी है? (सभी: साकारी।) तो कनेक्शन है या नहीं। कनेक्शन है तो कनेक्शन का सबूत क्या है?
जिज्ञासु: ....चिट्ठी नहीं लिखता है, फोन नहीं करता है लेकिन संगठन में जाता है, रोज क्लास करता है, बाबा आने के समय मिलता है....।
बाबा: हाँ तो संगठन का कागज़ नहीं पहुँचता है हेड ऑफिस में?
जिज्ञासु: वही हो जाता है ना बाबा।
बाबा: तो संगठन का कागज़ पहुँचता है, उससे ही पता लग जाता है कि हाँ, कनेक्शन में हैं, परिवार के कनेक्शन में हैं।
Time: 29.17-31.40
Student: Baba, Baba has said that if a child does not write a letter [to Baba] even for one or two months, then consider that the child has died. Does it apply to the child even when he attends the *Murli* class daily, attends the monthly *sangathan* (gathering) regularly or is it applicable only for the one who doesn't attend the *sangathan*, doesn't attend the class?

Baba: If he reads *Murli*, he reads it at his home, but is the Father corporeal, or is He subtle or incorporeal? (Everyone said – corporeal). So, is there a connection or not? If there is a connection; what is the proof of the connection?
Student: If he does not write a letter, does not make a phone call (talk through phone with Baba), but goes to the gathering, attends the class daily, meets Baba when he comes …
Baba: Yes, so, doesn't the [attendance] paper of the gathering reach the head office?
Student: Baba, that itself is the proof, isn't it?
Baba: So, when the [attendance] paper of the gathering reaches [the head office], it will be known from that itself: yes, he is in connection [with Baba], he is in connection with the [Godly] family.

जिज्ञासु: बाबा, संगठन का जो कागज बोला गया है अभी; तो जैसे कि ये रजिस्टर है गीता पाठशाला का, तो वहाँ साईन सारे करते हैं। अलग कागज तो कोई कर नहीं रहा है अभी।
बाबा: अलग कागज़ पर करने की दरकार क्या है? जो गीतापाठशाला का रजिस्टर है, उसी में संगठन के साईन है, उसी को फोटो स्टेट करके हेड ऑफिस में भेज दो।
जिज्ञासु: संगठन के दिन का?
बाबा: हाँ जी।
जिज्ञासु: बाबा, हफ्ता वाला कि महीना वाला?
बाबा: कोई भी संगठन हो। सप्ताह का हो, 15 दिन का हो, महीने का हो, त्रैमासिक हो।
Student: Baba, the [attendance] paper of the *sangathan* (gathering) which was mentioned now; for example, there is a register of the *Gita pathshala* (the school of the Gita); every one signs in it. Nobody is signing on a separate paper now.
Baba: What is the need to sign on a separate paper? The signatures of the [ones attending the] gathering are in the *Gita pathshala's* register. Take a photocopy of it and send it to the head office.
Student: Of the day of the gathering (*sangathan*)?
Baba: Yes.
Student: Baba, [should it be] of the weekly *sangathan* or the monthly *sangathan*?
Baba: Whichever *sangathan* it is; whether it is weekly, whether it is fortnightly, whether it is monthly or whether it is quarterly.

जिज्ञासु: बाबा ने एक बार कहा था कि गीता पाठशालाओं का पोतामेल, हिसाब-किताब जो है वो पर मंथली (per - monthly) जाने से ही वो सच्ची गीतापाठशाला होती है, लेकिन अभी देखा गया है कि गीता पाठशालाओं में ऐसा हिसाब-किताब नहीं लिख रहा है कोई भी।
बाबा: जो जितना करता है वैसा पाता है। बाबा तो सभी से कहते हैं अपना पोतामेल लिखो: कितना याद किया, कितना पाप कर्म किया, कितना किसको दु:ख दिया। अब कोई करता है, कोई नहीं करता है। जो करेगा सो पायेगा।
जिज्ञासु: बाबा, गीता पाठशाला वालों को पोतामेल तो देना जरूरी है मतलब हर महीने का पूरा चार्ट लिख के देना जरूरी है?

बाबा: अरे, देगा अपने लिए देगा, नहीं देगा अपने लिए नहीं देगा। इसमें जरूरी क्या होता है? वो अपने को बाप का बच्चा समझता होगा तो मुरली में तो बोला हुआ है कि बच्चे का पूरा हिसाब-किताब बाप के पास आना चाहिए।

Student: Baba had once said that a *Gita pathshala* is a true *Gita pathshala* only when the *potamail*, the account of the *Gitapathshalas* is submitted per-monthly, but now it has been observed that no one writes such accounts in the *Gita pathshalas.*

Baba: Whoever does to whatever extent achieves to that extent. Baba tells everyone, write your *potamail*: how much did I remember, how many sins I committed, how much sorrow did I give to whom. Well, some do (write *potamail*) and some do not. Whoever does will achieve [the results].

Student: It is necessary for those who run *Gita pathshala* to give *potamail*, i.e. is it necessary to submit the complete monthly chart?

Baba: *Arey*, if he gives, he will give for himself, if he does not give, he will not give for himself. Where is the question of necessity in this? If he considers himself to be the Father's child, then it has been said in *Murli* that the entire account of the child should reach the Father.

समयः 37.37-44.06

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है कि नई दुनिया में आना जाना करते हो तो कहां की बात है?

बाबा: किनसे बोला है?

जिज्ञासु: बच्चों से।

बाबा: कौनसे बच्चों को बोला है? (किसी ने कहा - अष्ट देवों से।) तो जिनको बोला है वो आना जाना करते होंगे।

जिज्ञासु: बाबा, बाकी नहीं करेंगे क्या आना जाना?

बाबा: 'करेंगे' ये थोड़े ही कहा। ये कहा 'करते हो'।

Time: 37.37-44.06

Student: Baba, it has been said in *Murli*, 'Do you visit the new world'? So, it is about which place?

Baba: To whom has this been said?

Student: The children.

Baba: Which children were told [this]? (Someone said: the eight deities). So, the ones to whom it has been said must be visiting [the new world].

Student: Baba, will the rest not visit?

Baba: It was not said 'they will'. It has been said – 'you do'.

जिज्ञासु: अष्ट देवों के जो बाहर है, उस गिनती में नहीं है, क्या वो आना-जाना नहीं कर सकते?

बाबा: अगर अष्ट देव के बराबर के गिनती में हैं तो या तो अष्ट देवों में से उनकी प्रजा होंगे। जो अष्ट देव हैं वो राजा क्वॉलीटी की आत्मायें हैं या प्रजा क्वॉलिटी की आत्मायें हैं?

राजा क्वॉलिटी की आत्मायें हैं। जो अष्ट देव राजा क्वॉलिटी की आत्मायें हैं वो सब एक जैसे हैं या उनमें भी नम्बरवार है? (सभी: नम्बरवार हैं।) तो उनमें जो नम्बरवार हैं उनमें पहले नम्बर का जो होगा वो पहले नई दुनिया बनायेगा या सब नई दुनिया एक साथ बनायेंगे? पहले नम्बर वाला पहले अपना संगठन तैयार कर लेगा, प्योरिटी से युनिटी बना लेगा। तो जिसकी जो दुनिया बन गई वो तो अन्दर ही रहेंगे या बाहर निकलेंगे? वो तो अन्दर रहेंगे। बाकी जो 7 हैं वो आना-जाना करते होंगे।

Student: Can't those who are not included among the 8 deities *(ashta dev)*, those who are not counted among them, visit [the new world]?

Baba: If they are counted among the equivalents of the 8 deities, they are included among the subjects of the 8 deities; are the eight deities king quality souls or subject quality souls? They are king-quality souls. Are all the 8 deities, who are souls of king-like quality alike or are they number wise? (Everyone said – they are number wise). So, among them, who are number wise, will the number one [deity] among them create a new world first or will everyone create the new world simultaneously? The number one [deity] will prepare his gathering first; he will create unity through purity. So, will those for whom the [new] world has been created, remain inside it or will they come out [of it]? They will remain inside [it]. The remaining seven would be visiting [the new world].

जिज्ञासु: बाबा, ये जो अष्ट देव बोला है अभी, वो अपनी दुनिया बनायेगा या प्रजा बनायेगा?

बाबा: वहाँ तक बुद्धि ही नहीं पहुँचती है।

जिज्ञासु: नहीं-2 राजा जो है, वो औरों को बनायेगा ना? तो क्या पहचान है कि ये प्रजा है उसकी? राजा की प्रजा कौन है, क्या है ये तो बताईये ना।

बाबा: वही-2 बात फिर दुबारा बैठके बताओ। अष्ट देव हैं तो वो एक ही धर्म से कनेक्टेड हैं या सब अलग-2 धर्मों में जाके आखिरी जन्म में गिरते हैं? अलग-2 धर्मों में गिरते हैं। तो जो जिस धर्म से ज्यादा कनेक्टेड है वो नम्बरवार ही पुरुषार्थ करेगा कि सब एक जैसे पुरुषार्थ करेंगे? नम्बरवार पुरुषार्थ करेंगे। उनमें कोई अव्वल नम्बर होगा या नहीं पुरुषार्थी? तो जो अव्वल नम्बर पुरुषार्थी होगा वो अव्वल नम्बर पुरुषार्थी बाप के ज्यादा नजदीक होगा या दूर होगा औरों के मुकाबले? और सप्त देवों के मुकाबले? ज्यादा नजदीक होगा। जो ज्यादा नजदीक होगा बाप के, वो पहले अपना संगठन तैयार कर लेगा या दूसरे तैयार कर लेंगे?

Student: Baba, the 8 deities about whom it was mentioned now, will they create their world; or will they create their subjects (*praja*)?

Baba: The intellect does not think to that extent at all.

Student: No, no. The one who is a king will create others (subjects), will he not? So, what is the indication that these souls are his subjects? Please tell as to who are the subjects of the king, what are they, won't you?

Baba: Now, you need to be told the same things again and again. Are the 8 deities connected with only one religion or do all of them fall in different religions in the last births? They fall in different religions. So, whoever is connected to whichever religion more, will he make number wise *purusharth* (special effort for the soul) or will everyone make equal *purusharth*? They will make number wise *purusharth*. Will someone be number one *purusharthi* (the one

who makes purusharth) among them or not? So, will the number one *purusharthi* be closer to the Father or be farther from Him when compared to others, when compared to the other seven deities? He will be closer. Will the one who is closer to the Father prepare his gathering first or will others prepare first?

जिज्ञासु: बाबा ये जो अष्ट देव है ना बाबा वो तो अनेक धर्मों के नहीं होते, एक ही सूर्यवंशी होते हैं ना?

बाबा: एक ही सूर्यवंशी होते हैं लेकिन आखिरी जन्म में अलग-2 धर्मों में जाके गिरते हैं या नहीं? गिर जाते हैं। इसका मतलब उनका उस धर्म से विशेष कनेक्शन रहा ना? तब तो वहाँ जाके गिरे, वहाँ जाके नाक रगड़ी। वो लगाव साबित होता है ना, विशेष? तो वो ही धर्म की आत्मायें जो हैं, अलग-2 धर्म की आत्मायें 83 जन्म तो सूर्यवंशी पुरुषार्थ में रहती है, बाकी आखरी जन्म में उनको माया गिराय देती है। तो एक जन्म का जो पुरुषार्थ है वो नीचा हो जाता है। 83 जन्म तो सूर्यवंशी बन के रहे, सूर्य के फॉलोवर रहे, सूर्य के सहयोगी रहे, आखरी जन्म में माया ने उनको गिरा दिया। तो उनमें जो कैटेगिरी है इनकी एक ही है या सबकी अलग-2 कैटेगिरी हो जाती है? अलग-2 कैटेगिरी हो जाती है। तो वो जो भी अष्ट देवतायें हैं उनमें अव्वल नम्बर भी कोई होगा या नहीं होगा? (जिज्ञासु: होगा।) जो अव्वल नम्बर होगा वो बाप के नजदीक होगा या नहीं होगा? (जिज्ञासु: नजदीक होगा।) जो बाप के सबसे नजदीक होगा उसका संगठन पहले तैयार हो जायेगा। संगठन तैयार होता है तो जो संगठन में रहते हैं वो अन्दर रहेंगे या बाहर रहेंगे? अन्दर रहेंगे। और बाकी सात? बाकी सात बाहर होंगे।

Student: Baba, these eight deities do not belong to different religions; all of them belong to the one Sun Dynasty, don't they?

Baba: They all belong to the one Sun Dynasty, but in the last birth do they fall in different religions or not? They fall. It means they had a special connection with that religion, hadn't they? Only then did they go and fall there; they went there and rubbed their nose (entreated abjectly). That special attachment is proved, isn't it? So, the souls of that religion, the souls of different religions [among the eight deities] make *Suryavanshi purusharth* for 83 births; but *Maya* makes them fall in the last birth. So, the *purusharth* of one birth becomes lower one. They remained *Suryavanshi* (of the Sun dynasty), they remained the followers of the Sun, the helpers of the Sun for 83 births, but *Maya* made them fall in the last birth. So, do they belong to the same category or do they all belong to different categories? They belong to different categories. So, will someone be number one among all those 8 deities or not? (Student: Yes). Will the number one soul be close to the Father or not? (Student: He will be close). So, the gathering of the one who is closest to the Father will be prepared first. When a gathering becomes ready, those who live in that gathering, will they remain inside it or will they live outside? They will remain inside; and what about the remaining seven? The remaining seven will be outside.

जिज्ञासु: तो बाहर वाले संगठन के अन्दर नहीं है क्या?

बाबा: 'आना-जाना' का मतलब क्या है? अरे, अष्ट देवतायें हैं, जन्म-जन्मांतर वो राजायें बनेंगे तो क्या एक ही राजाई में घुसे रहेंगे या अलग-2 राजाईयाँ होंगी उनकी अपनी? अलग-2 राजाईयाँ होंगी। उन्हीं में आना-जाना करते होंगे। जो ज्यादा मर्तबे वाला होगा उससे ज्यादा कनेक्टेड होंगे। (जिज्ञासु - इसी को आना-जाना कहते है?) हाँ।

जिज्ञासु: .....तो क्या वो सारे सनातन धर्म के बीज है या और भी धर्मों के बीज इकट्ठा है वहाँ पर?

बाबा: हो सकता है अगर और धर्मों के बीज होंगे तो वो बाद में प्रत्यक्ष हो जायेंगे। अभी तो फाउंडेशन पड़ रहा है। जब नींव खोदी जाती है मकान की, खोदी जाती है नींव, तो नींव में पत्थर डाले जाते हैं। डाले जाते हैं ना? धचाका मारा जाता है। तो कोई पत्थर इधर उधर खिसक जाता है कि नहीं खिसक जाता है? (सभी: खिसक जाते हैं।) तो जो खिसकने वाले होंगे वो खिसक जायेंगे। (किसी ने कहा - जिनको जमना है, वो जम जायेंगे।) हाँ, जो जाम होने वाले होंगे वो जाम हो जायेंगे। (किसी ने कहा - अभी तो फाउंडेशन चल रहा है।) हाँ, उनकी क्या चिंता? फाउंडेशन पड़ रहा है। अभी स्वर्ग थोड़े ही बन गया है, एड होते जा रहे हैं।

Student: So, aren't the outsiders living in the gathering?
Baba: What is meant by 'coming and going (visiting)'? *Arey*, there are eight deities, they will become kings for many births. So, will they remain in the same kingdom or will they have their individual kingdoms? They will have different kingdoms. They would be coming and going to those very kingdoms. They will be more connected with the one who has a higher position. (Student: is this called visiting?) Yes.
Student: …….So, are they all the seeds belonging to the Ancient [Deity] religion *(Sanatan dharma)* or are the seeds of other religions also gathered there?
Baba: It is possible. If there are seeds belonging to other religions then they will be revealed later on. Now the foundation is being laid. When the land is dug to lay the foundation of a house, stones are put in the foundation. They are put, aren't they? They are pressed with a rammer (*dhachaka*). So, do some stones slide here and there or not? (Everyone said – they do slide). So, those who are the one to slide [here and there] will slide away. (Someone said: those who have to fix will become fixed). Yes, those who will be the ones to set will set. (Someone said: now just the foundation is being laid). Yes, why to worry about them? A foundation is being laid. Heaven has not yet been established; they are adding up.

जिज्ञासु: बाबा, नये संगठन में क्या सिर्फ कन्यायें ही जा सकती है या मातायें, भाई , सब लोग नये संगठन में जा सकते हैं?

बाबा: भाई लोगों को तो दुर्योधन दुःशासन बता दिया सो? उसमें बैल भी घुसेड देंगे तो क्या हाल होगा?

जिज्ञासु: तो मातायें भी जा सकती है?

बाबा: क्यों नहीं जा सकती है? अच्छा पार्ट बजायेंगी तो क्यों नहीं जायेंगी?

जिज्ञासु: पुरुषार्थ अनुसार, बाबा?
बाबा: हाँ-2 जो जायेंगी वो वही जायेंगी जो जाने योग्य होंगी।
Student: Baba, can only virgins go to the new gathering or can the mothers, brothers, everyone go to the new gathering?
Baba: What about the statement, brothers are *Duryodhans* and *Dushasans*? If bulls are also allowed to intrude then what will be its condition?
Student: So, can the mothers also go?
Baba: Why can't they go? If they play a good part, why won't they go?
Student: Baba, [is it] as per the *purusharth*?
Baba: Yes, only those [mothers] will go, who are worthy of going [to the new gathering].

समयः 44.08-44.53

जिज्ञासुः बाबा, पिछले कल्प में कोई भी आत्मा जिस तरह का पार्ट बजाती रहती है आने वाले कल्प में भी उसी तरह का बजायेगी या पुरुषार्थ अनुसार....?
बाबा: अरे, पूरे कल्प की बात क्यों कर रहे हो, इस जन्म की ही बात करो ना। 84 जन्म का पता है क्या? 83 जन्मों में हमने कैसा पार्ट बजाया, क्या पार्ट बजाया, हम कौन थे वो पता है? वो तो कुछ पता ही नहीं है। हाँ इस जन्म में जो जैसा हुआ है वो ही उस 84 जन्म में एक कल्प के बाद फिर ज्यों का त्यों होगा। उसमें कोई अंतर नहीं पड़ने वाला है। बाकी 83 जन्म के लिए तो तुम अच्छा सोचो। अच्छा सोचेंगे तो अच्छा पुरुषार्थ करेंगे।
Time: 44.08-44.53
Student: Baba, will a soul play the same kind of part in the next *kalpa* which it had played in the previous *kalpa* or as per the *purusharth*…..?
Baba: *Arey*, why are you talking of the entire *kalpa*? Talk about this very birth , won't you? Do you know about the 84 births? What kind of a part we played in the 83 births, what part did we play? What were we? Do we know? We do not know about it at all. Yes, whatever has happened in whichever way in this birth, the same will be repeated as it is in 84 births after a *kalpa*. There will not be any difference in it. As regards the 83 births, have good thoughts about it. If you have good thoughts, you will make good *purusharth.*

समयः 44.51-46.40

जिज्ञासुः बाबा, विधि के विधान में कुछ ऐसा नियम है, ऐसा कुछ लोग मानते हैं कि जो चित्त है हमारा उसमें रेखांकित होते रहते हैं अपने कर्म और स्वभाविक ढंग से वो चलता रहता है। क्या ये सही है कि आदमी परिवर्तित भी कर सकता है?
बाबा: अरे, जैसा कर्म करेंगे वैसी रेखायें नहीं बनेंगी? (सभी: बनेंगी।) तो नई बात क्या है इसमें? जो 63 जन्म हमने किया है वो 63 जन्म किये हुए के अनुसार; अच्छा किया या बुरा किया, वो इस आखिरी जन्म में शूटिंग हो रही है, रिहर्सल चल रही है। अच्छा कर्म किया होगा और वो अच्छा कर्म जब शूटिंग में उदित होता है तो अच्छी अवस्था बन जाती है। बिना पुरुषार्थ किये भी अच्छी अवस्था बन जाती है।

Time: 44.51-46.40
Student: Baba, there is a rule in the law of destiny (*vidhi ka vidhaan*), some people believe that our actions keep recording in our mind and it goes on naturally. Is it correct or can a person change it?
Baba: *Arey*, will our lines [of fate] not be formed in accordance with the actions we perform? (Everyone said – They will). So, what is new in this? Whatever we have done in the 63 births, as per the actions performed in 63 births, whether we performed good or bad [actions], its shooting, rehearsal is going on in this last birth. If we performed good deeds, and when those good deeds emerge in the shooting [period], the stage would become good. Even without doing *purusharth* (special effort for the soul), the stage becomes good.

जिज्ञासु: बिना पुरुषार्थ किये भी?
बाबा: जी। कभी ऐसा अनुभव नहीं किया कि हम पुरुषार्थ उस समय कोई नहीं अच्छा करते तो भी अवस्था बहुत अच्छी बन जाती है। तो जरूर अच्छे कर्मों की रील उठ गई और जब हम बहुत पुरुषार्थ करते हैं, खींचतान करते हैं और फिर भी हमारी अवस्था डाऊन की डाऊन बनी रहती है। उस समय कौनसे कर्मों की रील उठ खड़ी हो गई? पाप कर्मों की रील उठ खड़ी हुई। तो बनी बनाई बन रही अब कुछ बननी नाही। इसका मतलब ये नहीं है कि जब खराब कर्मों की रील उठ खड़ी हो तो हम ठंडे होकर बैठ जाये। नहीं। सदा एक सा समय किसी का सुना और नहीं देखा है। ये रील तो पाप कर्मों की ऊपर-नीचे होती ही रहती है।
Student: Even without doing *purusharth*?
Baba: Yes. Did you never experience [that sometimes], we do not make good purusharth; even then the stage becomes very good. So, definitely the reel of good deeds emerged and when we make a lot of *purusharth*, we do it *(purusharth)* forcefully, and still our stage remains down. The reel of which actions emerged at that time? The reel of sins emerged. So, whatever is predetermined is being enacted and nothing new will be enacted. It does not mean that when the reel of bad actions emerges, we should sit idly. No. It has neither been heard nor observed that someone's fate remains the same all the time. This reel of sins keeps oscillating up and down.

<u>समयः 50.27-51.17</u>
जिज्ञासुः बाबा, ये भक्तिमार्ग में बड़े-2 भगवान हैं जैसे साई बाबा और श्री-2 रवि शंकर। ये भी अष्ट देवों में होंगे?
बाबा: इन्होंने स्वर्ग बनाया? इन्होंने स्वर्ग बनाने में भगवान का सहयोग दिया? इन्होंने एकव्यापी भगवान माना? (जिज्ञासु: नहीं माना।) तो फिर अष्ट देवों में कहाँ से आ जायेंगे?
जिज्ञासु: बाबा, उन को भगवान का पहचान है कि नहीं?
बाबा: किनको?
जिज्ञासु: उन धर्मगुरुओं को।
बाबा: उन धर्मगुरुओं को तो छोड़ दो। माउंट आबू में जिनको समझे बैठे हैं उनको पहचान है? जब उनको ही पहचान नहीं है तो बाहर की दुनिया की तो बात ही छोड़ दो।

Time: 50.27-51.17
Student: Baba, there are big gods in the path of *bhakti* (devotion), like *Sai Baba* and *Shri Shri* Ravi Shankar; will they also be included among the eight deities?
Baba: Did they create heaven? Did they help the Father in establishing heaven? Did they accept God to be present in one person? (Student: They did not accept). So, how will they be included among the 8 deities?
Student: Baba, do those people know God or not?
Baba: Who?
Student: Those religious *gurus*.
Baba: Leave those religious *gurus*. Do those, who are thought to be [the religious *gurus*] in Mt. Abu have the knowledge [of God]? When they themselves do not have the knowledge, leave aside the topic of the outside world.

समयः 51.20-53.20

जिज्ञासुः बाबा, सर्प तो बहुत बार खल छोड़ता है। तुमको यहाँ प्रैक्टिस कराई जाती है, ये 84 जन्मों की सड़ी हुई खाल है। इनको श्याम कहा जाता है।
बाबा: 84 जन्म की कहाँ खाल सड़ी हुई होती है? 21 जन्म भूल गये?
जिज्ञासु: मुरली में है।
बाबा: मुरली में हैं? 84 जन्म सड़ी हुई खाल होती है?
जिज्ञासु: ऐसे ही लिखा है।
बाबा: तो गलत है बात। 84 जन्म की तो सड़ी हुई खाल होती ही नहीं। 21 जन्म की तो अच्छी खाल होती है। वो सड़ी हुई नहीं कहेंगे उसको। 63 जन्म की सड़ी हुए खाल बोलो। हाँ।
जिज्ञासु: .....उनको श्याम कहा जाता है।
बाबा: हाँ जी।
Time: 51.20-53.20
Student: Baba, a snake sheds its skin many times. You are made to practice here; this is the rotten skin of 84 births. He is called *Shyam* (blue-black).
Baba: The skin of 84 births is not rotten. Did you forget the 21 births?
Student: It is mentioned in *Murli*.
Baba: Is it mentioned in *Murli*? Is the skin rotten for 84 births?
Student: It has been written so.
Baba: It is wrong. The skin of 84 births is not at all rotten. The skin remains good for 21 births. It will not be said to be rotten. You can say: the rotten skin of 63 births. Yes.
Student:……..he is called *Shyam* .
Baba: Yes.

जिज्ञासु: इसका मतलब क्या है बाबा? उसको श्याम कहा जाता है।
बाबा: और सुंदर? अरे, श्याम कहा जाता है तो सुन्दर भी किसी को कहा जाता है कि नहीं? श्याम-सुन्दर ये गायन कहाँ का है? (सभी: संगमयुग का।) तो श्याम-सुन्दर जो गायन है संगमयुग का, वो संगमयुग में क्या पार्ट है जो श्याम भी है और सुन्दर भी है?

ब्रह्माकुमारियाँ तो उसका अर्थ ये बता देती है कि दादा लेखराज अभी श्याम है और सतयुग में जन्म लेगा तो सुन्दर होगा। तो ये श्याम सुन्दर एक आदमी का नाम है, एक व्यक्तित्व का, पर्सनैलिटी का नाम है या दो का नाम है? (सभी: एक का।) तो ये तो साबित नहीं होता कि इस जन्म में श्याम है और अगले जन्म में शरीर से बच्चा बनके जब जन्म लेगा तो सुन्दर होगा। तो श्याम-सुन्दर कहाँ हुआ? उसी जन्म में संगमयुग में पहले श्याम और बाद में सुन्दर पार्ट बजायेगा।

Student: Baba, what does it mean? He is called *Shyam*.

Baba: And [what about] *Sundar* (beautiful)? *Arey*, if someone is called *Shyam*, is someone also called *Sundar* or not? The glory of *Shyam-Sundar* pertains to which time? (Everyone said – of the Confluence Age). So, as regards the glory of *Shyam-Sundar* that pertains to the Confluence Age; which part is it in the Confluence Age which is *Shyam* (blue-black) as well as *Sundar* (beautiful)? The Brahmakumaris say its meaning this way: Dada Lekhraj is now *Shyam* and when he takes birth in the Golden Age he will be *Sundar*. So, is this name *Shyam-Sundar* the name of one personality or is it the name of two [persons]? (Everyone said – Of one). So, it is not proved that he (Brahma Baba) is *Shyam* in one birth and will be *Sundar* in the next birth when he takes birth as a child through the body. So, how is he *Shyam-Sundar*? He (the one who is *Shyam-Sundar*) will first play the *Shyam* part and later play a *Sundar* part in the same birth in the Confluence Age.

समयः 56.00-56.46

जिज्ञासुः बाबा, सीढ़ी के चित्र में बताया है कि जो अपने 84 जन्मों के पार्ट को नहीं जानता है तो वो बुद्धू है।

बाबा: बुद्धू नहीं है तो और क्या है? कोई नाटक में नाटकबाज हो, कोई नाटक करे- कोई राजा का पार्ट बजाता है, कोई रानी का पार्ट बजाता है, कोई प्रजा का पार्ट बजाता है, कोई क्या पार्ट बजाता है और पार्ट बजाने वाले को अपना पार्ट ही याद न रहे और रंगमंच पे जाके खड़ा हो जाये। तो उसको क्या कहेंगे? बुद्धू कहेंगे, क्या कहेंगे? (सभी- बुद्धू।) फिर?

Time: 56.00-56.46

Student: Baba, it has been said in relation to the picture of the Ladder that the one who does not know about his part of 84 births is a fool.

Baba: If he is not a fool, what else is he? If there is an actor in a drama; if he enacts a drama; if someone plays the part of a king, someone plays the part of a queen, someone plays the part of a subject, someone plays some other part, and if the actor does not remember his part and goes and stands on the stage, what will he be called? Will he be called a fool or anything else? (Everyone said – a fool). Then?

समयः 56.45-57.23

जिज्ञासुः बाबा, हमें भट्ठी करके 2 साल हो गए। हमारे पति हमें आपके पास आने से मना करते हैं। आज अपने मन से चली आयी हूँ तो ठीक किया या गलत?

बाबा: युक्ति से जब तक चलता है तब तक चलाओ और जब नहीं चलता है तो उनकी बात मान लो। याद ही तो करना है। याद करने से फायदा होगा या कन्धे पर चढ़ जाने से फायदा होगा? याद करने से फायदा होगा।

Time: 56.45-57.23

Student: Baba, it has been 2 years since I did *bhatti.* My husband stops me from coming to you. Today I have come on my own; so did I do the right thing or is it wrong?

Baba: Until you can manage tactfully, continue to manage and when you cannot manage [tactfully], accept whatever he says. You have to just remember [Baba]. Will you reap benefits by remembering Him or will you reap the benefit by climbing on His shoulders? You will be benefited by remembering Him.

<u>समयः 58.20-59.36</u>

जिज्ञासुः बाबा, एन.एस. भी 4 अवस्थाओं से गुजरेगा। तो क्या और भी बनेंगे नए?

बाबा: एन.एस. माने नया संगठन।

जिज्ञासु: तो क्या 4 अवस्थाओं से वो भी पसार होगा?

बाबा: अरे, दुनिया की हर चीज चार अवस्थाओं से पसार होती है इसमें नई बात क्या है?

जिज्ञासु: और भी एन.एस. बनेंगे?

बाबा: जब अष्ट देव हैं और आठों देव जो हैं अलग-2 धर्मों में आखरी जन्म में जाके गिरते हैं, तो अलग-2 धर्मों का छिलका है कि नहीं कुछ न कुछ? है। तो उनको अपना देहभान आयेगा कि नहीं कि ये हमारे अपने हैं? जो क्रिश्चियन धर्म का होगा तो क्रिश्चियानिटी का छिलका होगा थोड़ा-बहुत। इस्लाम धर्म का होगा, इस्लामिस्म का छिलका होगा। तो जब फाईनल होगा... नम्बर कैसे बनेंगे 8 के? कैसे पता चलेगा ये पहला नम्बर, ये दूसरा नम्बर, ये चौथा, ये पाँचवा, ये सातवां, ये आठवां? प्रैक्टिकल में ऐसा करके दिखायेंगे तब तो मालूम पड़ेगा? जो ज्यादा नजदीक होगा वो फट से चेंज हो जायेगा और दूर होगा, थोड़ा टाईम लगेगा।

Time: 58.20-59.36

Student: Baba, NS will also pass through 4 stages. So, will more new ones be established?

Baba: NS means the new gathering.

Student: So, will that too pass through 4 stages?

Baba: Arey, everything in the world passes through four stages. What's new in it?

Student: Will more N.Ses be established?

Baba: When there are 8 deities, and when all the eight deities go and fall in different religions in the last birth, do they have a peel of different religions to some extent or not? They have. So, will they develop body consciousness [thinking] these people are my own or not? The one who belongs to Christianity will have a peel of Christianity to some extent or the other. If he belongs to Islam, there will be a peel of Islamism. So, when final [exam] takes place………how will the number (i.e. rank) of 8 be fixed? How will we know , this one is the number one, this one is the number two, this one is the fourth, this one is the fifth, this one is seventh, this one is the eighth? They will do something in practical; only then will it be

known. The one who is closer [to the Father] will change immediately and the one who is distant will take some time.

समयः 59.40-01.00.37

जिज्ञासुः बाबा, ये जन्माष्टमी में जो ककड़ी तोड़ते हैं उसका बेहद का अर्थ क्या है?

बाबा: ककड़ी नहीं तोड़ते हैं, खीरा तोड़ते हैं। खीरा के लिए कहते हैं- 'खीरा को मुँह काटके मलियत नौन लगाये, रहमन कड़ुवे मुखन की होत है यही सजायें।' कड़ुआ मुँह का होता है खीरा। क्या? खीरा जो है वो कड़ुए मुँह वाला होता है। तो भगवान जिस तन में आता है और कृष्ण बच्चा जहाँ से पैदा होता है वो कड़ुए मुँह वाला होता है। पहले कड़ुए मुँह वाला होता है और बाद में जब सम्पन्न पुरुषार्थी हो जाता है तो नारायण जैसा मीठे मुख वाला बन जाता है। इसलिए बताते हैं कि खीरे में से कृष्ण का जन्म हुआ।

Time: 59.40-01.00.37

Student: Baba, what is the meaning of [the tradition of] breaking a *kakari* (a kind of cucumber) on *Janmashtami* (the birthday of Krishna) in an unlimited sense?

Baba: They do not break a *kakari* (a kind of cucumber), they break a *kheera* (another kind of cucumber). It is said about a *kheera – kheera ko muh kaatke maliyat naun lagaye, rahman kaduve mukhan ki hot hai yahi sajayein*[1] [(the top portion) of the cucumber is cut a little and salt is rubbed on the open surface. Rahiman (the poet) , this alone is the punishment of those with a bitter mouth)]. *Kheera* has a bitter mouth (i.e. tip) . What? *Kheera* has a bitter mouth . So, the body in which God comes and the one through whom child Krishna takes birth has a bitter mouth (speaks harsh words). Initially, he has a bitter mouth and later on, when he becomes a complete *purusharthi* (maker of special effort for the soul), he becomes the one with sweet mouth like Narayan. This is why it is said that Krishna took birth from a *kheera.*

समयः 01.02.03-01.03.32

जिज्ञासुः बाबा, ये जितना भी पुरुषार्थ चल रहा है, चाहे बेसिक का हो चाहे एडवांस का हो इसमें सूक्ष्म शरीरधारी आत्माओं का भी पूर्ण योगदान है। वो शिव पिता से मिलाने के निमित्त भी बनती है और....

बाबा: निमित्त साकार को कहा जाता है।

जिज्ञासु: तो प्रवेश करके अगर वो उमंग उत्साह बढ़ाती है तो....

बाबा: जब ज्ञान बुद्धि में उनको बैठेगा तो उमंग-उत्साह बढ़ायेंगे या जितना-2 ज्ञान का पॉईंट उनके बुद्धि में बैठता जायेगा उतनी-2 उमंग-उत्साह बढ़ाते जायेंगे। नहीं बैठेगा तो उनके पहले के जो नजदीक वाले हैं उनको उमंग-उत्साह बढ़ायेंगे। क्या? नहीं समझ में आया? मानलो कुमारिका दादी है। कुमारिका दादी ने शरीर छोड़ दिया और शरीर छोड़ने के बाद वो अपने

[1] *The mouth of the cucumber is cut and rubbed with salt; Rahiman (the poet) [says] this is the punishment for those with a bitter mouth.* In order to remove the bitterness in cucumber, a small piece is cut out from one end of the cucumber, salt is applied on the cut surface and the pieces are rubbed against each other.

ग्रुप के इस्लाम धर्म की बीजरूप आत्मा में प्रवेश करे तो जितना-2 एडवांस नॉलेज समझती जावेंगी उतना ही इंस्पायर करेंगी, उमंग-उत्साह देंगी बीजरूप आत्माओं को। उनको उमंग-उत्साह नहीं देंगी तब तक वो जो जड़ों वाले हैं जिनको अभी तक सहयोग सम्पर्क रहा, उनको देंगी।

Time: 01.02.03-01.03.22

Student: Baba, whatever *purusharth* is going on, whether it is of [those of] basic [knowledge] or advance [knowledge], it has a complete contribution of the subtle bodied souls also. They also become instruments in enabling the meeting with the Father Shiv and…..

Baba: The corporeal one is called instrument.

Student: So, if they increase the zeal and enthusiasm by entering [someone] then…

Baba: When the knowledge sits in their intellect, they will increase the zeal and enthusiasm or else the more the points of knowledge sit in their intellect, the more they will continue to increase the zeal and enthusiasm. If it does not sit, they will first increase the zeal and enthusiasm of those close to them. What? Did you not understand? Suppose it is Kumarka *Dadi*. Kumarka *Dadi* left her body and after leaving her body, when she enters the seed-form soul of her group of Islam, the more she goes on understanding the advance knowledge, the more she will inspire, the more she will increase the zeal and enthusiasm of the seed-form souls. As long as she does not give them (the seed-form soul) zeal and enthusiasm, she will increase the zeal and enthusiasm of the root souls whom she had been helping, with whom she had been having contact so far.

समयः 01.03.35-01.05.25

जिज्ञासुः बाबा, ये जो पेड़, पौधे होते हैं उनकी आत्मा होती है क्या?

बाबा: क्यों नहीं होती है? होती है तब तो, कोई पेड़ है, पेड़ की एक जड़ काटो तो ऊपर का एक हिस्सा सूख जाता है। कैसे सूख जाता है? अगर आत्मा नहीं है तो पेड़ की जो जड़ नीचे काटी गई, ऊपर क्यों सूख जाता है वो हिस्सा?

Time: 01.03.35-01.05.25

Student: Baba, do the trees and plants have souls?

Baba: Why not? They do have; only then [it happens that] when you cut one root of a tree, one of its upper portions dries. How does it dry? If there is no soul, then why does the upper portion of the tree dry when one of its roots below is cut-off?

जिज्ञासु: बाबा, पेड़ को काटा जायेगा तो उसमें पाप तो नहीं लगेगा ना?

बाबा: एक मनुष्य की हत्या की जाए और एक मछली की हत्या की जाये, बराबर हत्या का पाप लगेगा? (किसी ने कहा - नहीं।) फिर? मछलियों को सबको मार दिया और मनुष्यों को जिन्दा कर लिया, उनकी भूख मिटा दी। तो पाप ज्यादा चढ़ा या पुण्य ज्यादा बना? पुण्य ज्यादा बना। क्योंकि मनुष्य भगवान के ज्यादा नजदीक है और जड़त्वमयी बुद्धि वाले प्राणी मनुष्यों पर निर्भर है। मनुष्यों का वायब्रेशन जब सुधरेगा तब वो प्राणी सुधरेंगे।

Student: Baba, we will not accumulate sin if we cut a tree, will we?
Baba: Will we accumulate equal sins if we kill a human being [on one hand] and if we kill a fish [on the other hand]? (Someone said: no). Then? If you killed all the fishes to give life to the human beings, to satiate their hunger, did you accumulate more sins or more charity? You accumulated more charity because human beings are closer to God and the living beings with non-living intellects are dependent on the human beings. When the vibrations of the human beings improve, those beings will improve.

जिज्ञासु: बाबा, ये पेड़ भी जड़ बुद्धि है?

बाबा: जड़त्वमई बुद्धि है। उनको भी तो सुख-दु:ख अनुभव होता है या नहीं होता है? उनको अच्छा भोजन दो, लैलाहा जायेगा, उसकी जड़ काट दो, कुम्हला जायेगा।

जिज्ञासु: वो तो निर्जीव है ना बाबा?

बाबा: निर्जीव है तो ये बढ़ता-पड़ता कैसे हैं? जड़त्वमई बुद्धि है।

Student: Baba, do the trees have a non-living intellect as well?
Baba: They have a non-living intellect. Do they also feel happiness and sorrow or not? If you give them good food (i.e. manure) they will flourish; if you cut their roots, they will wither.
Student: Baba, they are lifeless, aren't they?
Baba: If they are lifeless, how do they grow? They have an inert intellect.
…………………………………………………………………..……………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.